सत्य सेतु

ये मेरा सत्य सेतु है

ये बना है

मेरे कल आज और कल के एकत्रित

अगणित छोटे छोटे असत्यों से।

इसे मैं रोज़ बनाता हूँ

इसे मैं रोज़ बनता ही आ रहा हूँ

चेतना के उद्गम से

प्रातः से संध्या काल तक

प्रथम से अंतिम साल तक

एक अटूट, निरंतर क्रम है

असत्य पर सत्य की ईंट रख कर

सत्य का पुल बनाने का

जो मेरे घर की चौखट से

जाता है

संसार तक

और मुझे जोड़ता है

औरतों, आदमिओं, बूढ़ों, बच्चों से

क्षत्रुओं, बंधुओं, परिचितों, अपरिचितों से

और उन सब से

जो रहते हैं

मेरे घर के बंद दरवाज़ों के पीछे।

यह सत्य सेतु

मेरा सब से उत्तम आविष्कार है

परन्तु

ये सत्य सेतु

मुझे मेरे घर के भीतर बैठे मुझे से

नहीं जोड़ता।

English Translation

The Bridge of Truth

This is my Bridge of Truth

And I have made this

With the innumerable miniscule lies

That I gathered yesterday

Today

And tomorrow.

I construct this Bridge everyday

I have been constructing it everyday

From the spawn of consciousness

From dawn to dusk

From the first year to the last

It is a continuous, uninterrupted chain

Laying bricks upon bricks of lies upon lies

To make the Bridge of Truth

That goes

From my doorstep

To the world

And connects me

With men, women, the aged, and children

With foes, friends, acquaintances, and strangers

And with everone

Who lives

Behind the closed door of my home.

This Bridge of Truth

Is my most ingenious creation;

But

This Bridge of Truth

Does not connect me

With the me sitting inside my home.

- Pranay Sood, MPhil (Final Year)